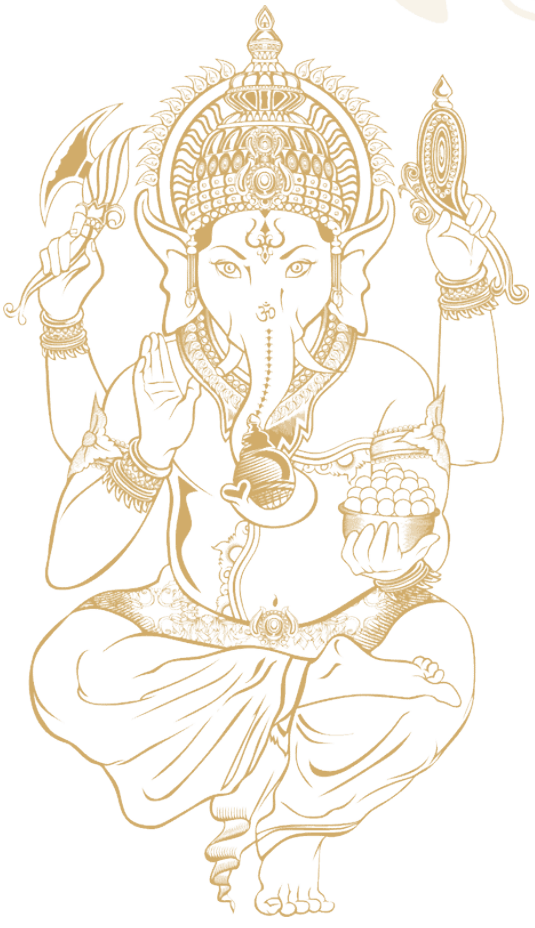

Sunil Sharma

Chini

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120940403

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13/02/1987	जन्म तिथि	23/02/1988
शुक्रवार	दिन	मंगलवार
घंटे 12:30:00	जन्म समय	11:20:00 घंटे
घटी 13:07:12	जन्म समय(घटी)	10:35:22 घटी
India	देश	India
Firozpur	स्थान	Firozpur
30:55:00 उत्तर	अक्षांश	30:55:00 उत्तर
74:38:00 पूर्व	रेखांश	74:38:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:31:28	स्थानिक संस्कार	-00:31:28 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:15:07	सूर्योदय	07:05:51
18:16:40	सूर्यास्त	18:24:28
23:40:35	चित्रपक्षीय अयनांश	23:41:32

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 7वर्ष 10मा 19दि	14:15:14	वृष	लग्न	वृष	05:35:53	शुक्र 2वर्ष 7मा 3दि
सूर्य	00:21:27	कुंभ	सूर्य	कुंभ	10:08:25	राहु
03/01/2022	23:48:50	कर्क	चंद्र	मेष	24:56:19	26/09/2013
03/01/2028	01:15:43	मेष	मंगल	धनु	06:51:27	27/09/2031
सूर्य 22/04/2022	18:25:29	कुंभ	बुध व	मक	19:00:07	राहु 09/06/2016
चन्द्र 22/10/2022	02:17:20	मीन	गुरु	मेष	03:26:44	गुरु 02/11/2018
मंगल 27/02/2023	15:30:05	धनु	शुक्र	मीन	22:23:32	शनि 08/09/2021
राहु 21/01/2024	25:47:00	वृश्चि	शनि	धनु	07:02:12	बुध 28/03/2024
गुरु 09/11/2024	18:49:02	मीन व	राहु	कुंभ	29:32:40	केतु 15/04/2025
शनि 22/10/2025	18:49:02	कन्या व	केतु	सिंह	29:32:40	शुक्र 15/04/2028
बुध 28/08/2026	02:06:42	धनु	हर्ष	धनु	06:37:01	सूर्य 10/03/2029
केतु 03/01/2027	13:29:43	धनु	नेप	धनु	15:52:18	चन्द्र 08/09/2030
शुक्र 03/01/2028	16:17:53	तुला व	प्लूटो व	तुला	18:52:12	मंगल 27/09/2031

लग्न-चलित

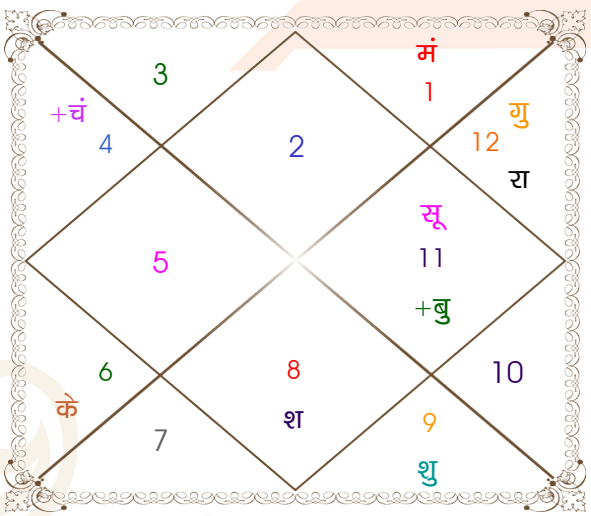

लग्न-चलित

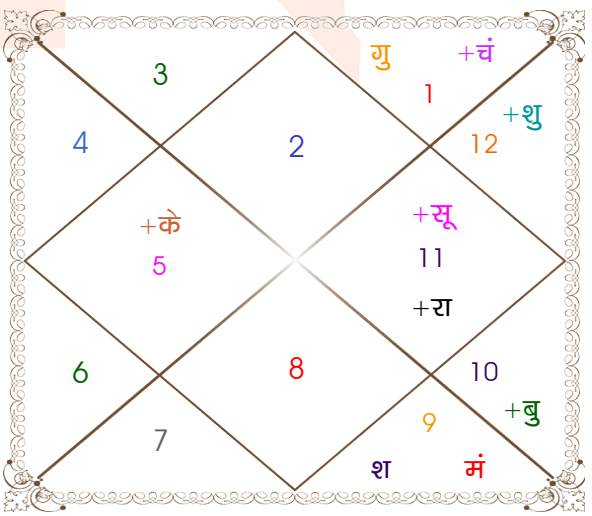

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मार्जार	गज	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	चन्द्र	मंगल	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कर्क	मेष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	25.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

ै नदपसौंतउं का वर्ग श्वान है तथा Chini का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ै नदपसौंतउं और Chini का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ै नदपसौंतउं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ै नदपसौंतउं कि कुण्डली में द्वादश भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Chini मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु नदपसौंतउं कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

नदपसौंतउं तथा Chini में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।